*** प्रमुख मुहावरे और उनका अर्थ एवं वाक्य-प्रयोग** [20]

1. दाँतों पसीना आना -

उत्तर : बहुत कठिन काम पड़ना
उस भारी चट्टान को हटाने में मजदूरों के दाँतों पसीना आ गया।

2. दिल में ऐंठकर रह जाना -

उत्तर : मन की बात मन में ही दबा लेना
अपमान सहकर भी मोती दिल में ऐंठकर रह गया।

3. जी तोड़कर काम करना -

उत्तर : पूरी मेहनत और लगन से काम करना
रमेश ने परीक्षा में जी तोड़कर मेहनत की।

4. गम खा जाना -

उत्तर : दुख को मन में दबा लेना
वह गम खाकर रह गया, किसी से कुछ न कहा।

5. नौ-दो-ग्यारह होना -

उत्तर : भाग जाना
चोर पुलिस को देखते ही नौ-दो-ग्यारह हो गया।

6. जान हथेली पर लेकर लपकना -

उत्तर : मृत्यु की परवाह न करते हुए आगे बढ़ना
सैनिक जान हथेली पर लेकर दुश्मन से लड़ते हैं।

7. मन फीका करना -

उत्तर : उदास हो जाना
उसकी बात सुनकर सबका मन फीका हो गया।

8. ईंट का जवाब पत्थर से देना -

उत्तर : कड़ा जवाब देना
भारत ने दुश्मन को ईंट का जवाब पत्थर से दिया।

9. जल उठना -

उत्तर : क्रोध से भर जाना
अपमान की बात सुनकर वह जल उठी।

10. अंतर्ज्ञान से दिल काँपना -

उत्तर : भय से मन में कंपन होना
उस दढ़ियल को देखकर बैलों का दिल काँप उठा।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** [6]

11. कहानी में हीरा और मोती का आपसी संबंध किस गुण को मुख्य रूप से दर्शाता है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(A) प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता
(B) एकता और सहयोग
(C) गर्व और दंभ
(D) विद्रोह और क्रोध

उत्तर : (ख) एकता और सहयोग
हीरा और मोती का संबंध पूरी कहानी में एकता और सहयोग का सबसे अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है।
वे हर कठिन परिस्थिति में एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते।
सांड का सामना करते समय भी वे मिलकर योजना बनाते हैं और साथ लड़ते हैं।
जब होजखास में मोती को भागने का मौका मिलता है, तब भी वह हीरा को छोड़कर नहीं जाता—यह सच्ची मित्रता और सहयोग का प्रमाण है।
इन घटनाओं से स्पष्ट होता है कि उनका रिश्ता प्रतिस्पर्धा, दंभ या केवल विद्रोह पर आधारित नहीं है, बल्कि परस्पर विश्वास, साथ निभाने और सहयोग पर टिका है।

12. हीरा-मोती ने नया स्थान स्वीकार क्यों नहीं किया?
(A) उन्हें भरपेट भोजन दिया गया।
(B) उन्हें बहुत मोटी रस्सी से बाँधा गया।
(C) मालिक ने बेचा, यह सोचकर उन्हें अपमान लगा।
(D) उन्हें अलग-अलग बाँधा गया।

उत्तर : (ग) मालिक ने बेचा, यह सोचकर उन्हें अपमान लगा।
हीरा और मोती अपने पुराने मालिक झूरी से बहुत प्रेम करते थे और उसे अपना परिवार मानते थे। जब उन्हें नए स्थान पर भेजा गया, तो उन्हें ऐसा लगा जैसे उनके मालिक ने उन्हें त्याग दिया या बेच दिया। इससे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुँची।
- वे केवल खाने या रस्सी से बँधने की वजह से दुखी नहीं थे।
- असली कारण था भावनात्मक लगाव और अपमान की भावना।
- इसी कारण उन्होंने नए स्थान को स्वीकार नहीं किया और बार-बार वापस अपने घर लौटने की कोशिश की।

13. बैलों ने रस्सी तोड़कर घर लौटने का निर्णय क्यों लिया?
(A) कष्टों से बचने के लिए
(B) स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए
(C) अभिमान की रक्षा के लिए
(D) अपनापन पाने के लिए

उत्तर : (घ) अपनापन पाने के लिए
हीरा और मोती केवल कष्टों से भागना नहीं चाहते थे, बल्कि वे अपने सच्चे घर और अपनापन की ओर लौटना चाहते थे।
- झूरी के घर में उन्हें प्यार, सम्मान और परिवार जैसा स्नेह मिलता था।
- नए स्थान पर उन्हें कठोर व्यवहार और उपेक्षा मिली, जिससे वे भावनात्मक रूप से आहत हुए।
- इसलिए रस्सी तोड़कर भागने का उनका मुख्य उद्देश्य था अपने पुराने मालिक के पास लौटकर वही अपनापन फिर से पाना।

14. गया द्वारा डंडे से मारने पर मोती का आक्रोश किस मानवीय मनोवृत्ति का घोतक है?
(A) स्वाभिमान (B) अहिंसा (C) पराधीनता (D) अन्याय की रक्षा

उत्तर : (क) स्वाभिमान
गया द्वारा डंडे से मारने पर मोती का आक्रोश यह दिखाता है कि वह अन्याय और अपमान को सहन करने वाला नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

मोती को जब बिना कारण पीटा जाता है, तो वह अपनी गरिमा (सम्मान) की रक्षा के लिए प्रतिक्रिया करता है।
यह व्यवहार स्वाभिमान का प्रतीक है, क्योंकि वह अपने ऊपर हो रहे अत्याचार को चुपचाप स्वीकार नहीं करता।
यदि वह पराधीन होता, तो बिना विरोध सब सह लेता, लेकिन उसका आक्रोश दिखाता है कि उसमें आत्मसम्मान की भावना है।

15. कहानी में बैलों की 'मूक-भाषा' का प्रयोग लेखक ने किस लिए किया?

(A) कहानी को रोचक बनाने के लिए

(B) मनुष्य जैसी चेतना दिखाने के लिए

(C) संवादों को छोटा रखने के लिए

(D) कथा में हास्य उत्पन्न करने के लिए

उत्तर : (ख) मनुष्य जैसी चेतना दिखाने के लिए

- हीरा और मोती बिना बोले ही एक-दूसरे की भावनाएँ समझ लेते हैं—इसे ही "मूक-भाषा" कहा गया है।
- इस माध्यम से लेखक यह दिखाना चाहते हैं कि पशुओं में भी संवेदनाएँ, समझ और भावनाएँ होती हैं।
- बैलों का व्यवहार—मित्रता, निष्ठा, स्वाभिमान—सब कुछ मानव जैसी चेतना को दर्शाता है।

16. "दो बैलों की कथा" को यदि स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ें, तो हीरा और मोती किसके प्रतीक हो सकते हैं?
इस प्रसिद्ध कहानी के लेखक मुंशी प्रेमचंद ने अपने पात्रों के माध्यम से गहरे सामाजिक और राष्ट्रीय भाव भी व्यक्त किए हैं।

(A) भारत पर अंग्रेजों के क्रूर और अन्यायपूर्ण शासन के

(B) स्वतंत्रता संग्राम में पशुओं के योगदान के

(C) सत्याग्रह और अहिंसा के आंदोलन के

(D) स्वतंत्रता के लिए भारतीय जनता के संघर्ष के

उत्तर : (घ) स्वतंत्रता के लिए भारतीय जनता के संघर्ष के
हीरा और मोती बार-बार बंधन तोड़कर स्वतंत्र होने की कोशिश करते हैं, जैसे भारत की जनता अंग्रेजी शासन से मुक्त होना चाहती थी।
वे अत्याचार सहते हैं, लेकिन हार नहीं मानते—यह संघर्ष और दृढ़ता का प्रतीक है।
उनका अपने असली घर लौटने का प्रयास स्वतंत्रता और स्वाभिमान की चाह को दर्शाता है।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** [36]

17. "दूसरे दिन गया ने बैलों को हल में जोता, पर इन दोनों ने जैसे पाँव न उठाने की कसम खा ली थी।" जब बैल नए मालिक के यहाँ गए, तो उन्होंने काम करने से इनकार क्यों कर दिया था?

उत्तर : जब हीरा और मोती नए मालिक गया के यहाँ पहुँचे, तो उन्होंने काम करने से इनकार कर दिया क्योंकि वे अपने पुराने मालिक झूरी से गहरा लगाव रखते थे। झूरी उन्हें परिवार के सदस्य की तरह प्यार और सम्मान देता था, जबकि गया उनके साथ कठोर व्यवहार करता था। उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिलता था और डंडे से मारा भी जाता था। इस कारण उनके मन में अपमान और दुख की भावना उत्पन्न हुई। उन्होंने यह महसूस किया कि उन्हें जबरदस्ती ऐसे स्थान पर लाया गया है जहाँ उन्हें अपनापन नहीं मिलता। अपने आत्मसम्मान और पुराने घर के प्रति प्रेम के कारण उन्होंने विरोध स्वरूप काम न करने का निश्चय किया।

18. "गाँव के इतिहास में यह घटना अभूतपूर्व न होने पर भी महत्वपूर्ण थी।" बैलों का घर लौट आना कोई साधारण घटना नहीं है कैसे? (संकेत—वे क्यों लौट आए, उनके और झूरी के मन में कौन-कौन से भाव रहे होंगे, क्या वास्तविक जीवन में भी ऐसा होता है आदि।)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : बैलों का घर लौट आना साधारण घटना नहीं है, क्योंकि यह उनके गहरे भावनात्मक लगाव और निष्ठा को दर्शाता है। हीरा और मोती नए स्थान पर अत्याचार और उपेक्षा सह रहे थे, इसलिए वे अपने पुराने मालिक झूरी के पास लौट आए, जहाँ उन्हें प्रेम, सम्मान और अपनापन मिलता था। उनके मन में घर की याद, स्नेह और सुरक्षा की भावना थी। दूसरी ओर, झूरी के मन में भी अपने बैलों के लिए प्रेम और चिंता थी, इसलिए उन्हें वापस देखकर वह भावुक हो उठा। यह घटना बताती है कि पशुओं में भी संवेदनाएँ और समझ होती हैं। वास्तविक जीवन में भी कई बार जानवर अपने मालिक या घर के प्रति ऐसा ही लगाव दिखाते हैं, इसलिए यह घटना महत्वपूर्ण बन जाती है।

19. "मोती ने मूक-भाषा में कहा— अब तो नहीं सहा जाता, हीरा!" "कभी-कभी संघर्ष करना आवश्यक हो जाता है" इस कथन को कहानी के उदाहरणों से सिद्ध कीजिए।

उत्तर : कहानी में कई प्रसंग ऐसे हैं जो सिद्ध करते हैं कि कभी-कभी संघर्ष करना आवश्यक हो जाता है। जब गया हीरा और मोती पर अत्याचार करता है और उन्हें डंडे से मारता है, तब मोती मूक-भाषा में कहता है—"अब तो नहीं सहा जाता।" यह दर्शाता है कि अन्याय को चुपचाप सहना उचित नहीं है। इसी प्रकार, जब एक शक्तिशाली सांड उन पर हमला करता है, तो दोनों बैल मिलकर उसका सामना करते हैं और अपनी रक्षा करते हैं। होजखास में भी वे दीवार तोड़कर अन्य जानवरों को मुक्त करते हैं। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अन्याय, भय या अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करना आवश्यक है, तभी सम्मान और स्वतंत्रता की रक्षा की जा सकती है।

20. "जब पेट भर गया और दोनों ने आजादी का अनुभव किया...." हीरा एवं मोती 'स्वतंत्रता' और 'अपनापन' दोनों में से किस भावना से अधिक प्रेरित थे? कारण सहित लिखिए।

उत्तर : हीरा और मोती 'स्वतंत्रता' और 'अपनापन' दोनों से प्रेरित थे, लेकिन उनमें अपनापन की भावना अधिक प्रबल थी। जब वे बंधन से मुक्त होकर आजादी का अनुभव करते हैं, तब भी उनका अंतिम लक्ष्य अपने पुराने मालिक झूरी के पास लौटना होता है। यदि केवल स्वतंत्रता ही महत्वपूर्ण होती, तो वे कहीं भी स्वतंत्र रह सकते थे, परंतु वे बार-बार अपने घर लौटने का प्रयास करते हैं। यह दिखाता है कि उनके लिए प्रेम, स्नेह और अपनापन अधिक महत्वपूर्ण था। झूरी के साथ उन्हें सम्मान और परिवार जैसा व्यवहार मिलता था। इसलिए स्पष्ट है कि हीरा और मोती के निर्णयों के पीछे सबसे बड़ी प्रेरणा अपनापन और भावनात्मक लगाव था।

21. "बैलों ने जैसे पाँव न उठाने की कसम खा ली थी", "अत्याचार सहना भी अन्याय में भागीदारी है"- क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के कारण भी बताइए।

उत्तर : मैं इस कथन से सहमत हूँ कि "अत्याचार सहना भी अन्याय में भागीदारी है।" कहानी में जब हीरा और मोती नए मालिक गया के अत्याचार सहते हैं, तो वे अंततः विरोध का रास्ता अपनाते हैं और काम करने से इनकार कर देते हैं। यदि वे चुपचाप सब सहते रहते, तो गया का अन्याय और बढ़ जाता। उनका यह व्यवहार दर्शाता है कि अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना आवश्यक है। इसी प्रकार, होजखास में भी वे दीवार तोड़कर अन्य पशुओं को मुक्त करते हैं। यह बताता है कि केवल सहन करना समाधान नहीं है। इसलिए अत्याचार के खिलाफ खड़े होना ही सही मार्ग है, तभी न्याय और सम्मान की रक्षा की जा सकती है।

22. "बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था।" हीरा और मोती अच्छे मित्र थे। कहानी की किन-किन घटनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है? कम से कम तीन बिंदु लिखिए।

उत्तर : हीरा और मोती के बीच गहरा भाईचारा और सच्ची मित्रता कई घटनाओं से स्पष्ट होती है।

1. पहला, वे हमेशा साथ-साथ काम करते थे और बिना बोले एक-दूसरे की भावनाएँ समझ लेते थे।
2. दूसरा, जब सांड ने उन पर हमला किया, तो दोनों ने मिलकर उसका सामना किया, जिससे उनकी एकता और सहयोग दिखाई देता है।
3. तीसरा, होजखास में जब मोती के पास भागने का अवसर था, तब भी उसने हीरा को छोड़कर जाने से इनकार कर दिया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

4. चौथा, कठिन परिस्थितियों में भी वे एक-दूसरे का साथ निभाते रहे और अंततः साथ ही अपने घर लौटे।
इन घटनाओं से सिद्ध होता है कि वे केवल साथी नहीं, बल्कि सच्चे मित्र थे।

23. "उसी समय मालकिन ने आकर दोनों के माथे चूम लिए" कहानी में मालकिन और छोटी लड़की, दोनों के व्यवहार की तुलना कीजिए।

उत्तर : कहानी में मालकिन और छोटी लड़की के व्यवहार में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। मालकिन प्रारंभ में हीरा और मोती के प्रति कठोर और उदासीन थी। उसने क्रोध में आकर उन्हें मायके भेज दिया और उनकी भावनाओं को नहीं समझा। हालांकि, अंत में जब बैल अनेक कष्ट सहकर वापस लौटते हैं, तो उसका हृदय परिवर्तन हो जाता है और वह स्नेह से उनके माथे चूमती है। दूसरी ओर, छोटी लड़की शुरू से ही दयालु और संवेदनशील थी। वह बैलों की पीड़ा को समझती थी और उन्हें चोरी-छिपे रोटियाँ खिलाती थी तथा उनकी रस्सी खोलकर उन्हें भागने में मदद करती है। इस प्रकार, लड़की का व्यवहार निरंतर करुणामय रहा, जबकि मालकिन का व्यवहार बाद में बदलता है।

24. "उसने उनके माथे सहलाए और बोली— खोल देती हूँ। चुपके से भाग जाओ…" यदि आप वह छोटी लड़की होते, तो बैलों की मदद किस प्रकार करते?

उत्तर : यदि मैं वह छोटी लड़की होता/होती, तो मैं हीरा और मोती की मदद उसी तरह करता/करती, जैसे उसने की, बल्कि और सावधानी से करता। सबसे पहले मैं उन्हें नियमित रूप से चुपके से भोजन और पानी देता, ताकि उनकी ताकत बनी रहे। फिर सही अवसर देखकर उनकी रस्सियाँ खोल देता, ताकि कोई देख न सके। साथ ही, मैं उन्हें ऐसे रास्ते की ओर ले जाता जहाँ से वे सुरक्षित रूप से अपने पुराने घर की दिशा में जा सकें। मैं यह भी ध्यान रखता कि किसी को इस बात का संदेह न हो। इस प्रकार मैं उनकी स्वतंत्रता और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करता।

25. "दोनों गधे अभी तक क्यों-के-क्यों खड़े थे" भय और संकोच इंसान को अवसर मिलने पर भी जकड़े रखता है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? इस वाक्य के संबंध में कहानी और अपने अनुभवों से उदाहरण लेते हुए अपने विचार लिखिए।

उत्तर : मैं इस कथन से सहमत हूँ कि भय और संकोच कई बार इंसान को अवसर मिलने पर भी आगे बढ़ने से रोक देते हैं। कहानी में होजखास के गधे इसका उदाहरण हैं—जब हीरा और मोती ने दीवार तोड़कर सबको आज़ाद होने का मौका दिया, तब भी गधे डर और हिचकिचाहट के कारण वहीं खड़े रहे। वे स्वतंत्र हो सकते थे, परंतु भय ने उन्हें जकड़ लिया। ऐसा ही वास्तविक जीवन में भी होता है। कई बार विद्यार्थी उत्तर जानते हुए भी संकोच के कारण कक्षा में हाथ नहीं उठाते या लोग सही बात जानते हुए भी बोलने से डरते हैं। इससे अवसर हाथ से निकल जाता है। इसलिए डर पर काबू पाकर सही समय पर निर्णय लेना आवश्यक है।

26. "दोस्ती में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर ज्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता।" क्या आप इस बात से सहमत हैं? आपको ऐसा क्यों लगता है? अपने अनुभवों के आधार पर बताइए।

उत्तर : मैं इस कथन से आंशिक रूप से सहमत हूँ। सच्ची दोस्ती में घनिष्ठता आने पर दोस्तों के बीच खुलापन बढ़ता है, जिससे वे मज़ाक, हँसी-ठिठोली और हल्की-फुल्की नोकझोंक करते हैं। यह आपसी विश्वास और अपनापन दिखाता है, इसलिए कभी-कभी "धौल-धप्पा" भी दोस्ती की सहज अभिव्यक्ति हो सकता है। हालांकि, केवल इसी आधार पर दोस्ती को नहीं परखा जा सकता। कई दोस्तियाँ शांत और गंभीर स्वभाव की भी होती हैं, फिर भी वे बहुत मजबूत और भरोसेमंद होती हैं। मेरे अनुभव में, मेरे मित्रों के साथ हँसी-मज़ाक होता है, जिससे हमारा संबंध और मजबूत होता है, लेकिन हम एक-दूसरे का सम्मान भी बनाए रखते हैं। इसलिए सच्ची दोस्ती का आधार विश्वास और समझ है, न कि केवल मज़ाक या धौल-धप्पा।

27. "हीरा ने तिरस्कार किया— गिरे हुए बैरी पर सींग न चलाना चाहिए", "यह सब ढोंग है। बैरी को ऐसा मारना चाहिए कि फिर न उठे" आपका इस संबंध में क्या विचार है? आप किसके साथ हैं – हीरा के या मोती के या

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

दोनों के? क्यों?

उत्तर : इस कथन के संदर्भ में मैं हीरा के विचार से अधिक सहमत हूँ। हीरा का मानना है कि गिरे हुए शत्रु पर वार नहीं करना चाहिए, जो दया, नैतिकता और मानवता का प्रतीक है। यह दृष्टिकोण हमें सिखाता है कि विजय के बाद भी संयम और करुणा बनाए रखनी चाहिए। दूसरी ओर, मोती का विचार आक्रोश और प्रतिशोध की भावना को दर्शाता है, जो परिस्थितियों में स्वाभाविक तो हो सकता है, पर हमेशा उचित नहीं माना जा सकता। मेरे विचार में सच्ची शक्ति वही है, जो अपने क्रोध पर नियंत्रण रखे और न्यायपूर्ण आचरण करे। इसलिए मैं हीरा के पक्ष में हूँ, क्योंकि उसका दृष्टिकोण अधिक संतुलित, नैतिक और प्रेरणादायक है।

28. “हम और तुम इतने दिनों एक साथ रहे। आज तुम विपत्ति में पड़ गए तो मैं तुम्हें छोड़कर अलग हो जाऊँ?” क्या कभी आपने किसी विपत्ति या चुनौती का सामना अपने किसी मित्र या परिजन के साथ मिलकर किया है? उस घटना के विषय में बताइए।

उत्तर : हाँ, मैंने एक बार अपने मित्र के साथ मिलकर एक कठिन परिस्थिति का सामना किया था। परीक्षा के समय मेरे एक मित्र की तबीयत अचानक खराब हो गई, जिससे वह पढ़ाई नहीं कर पा रहा था। मैंने उसकी मदद करने का निर्णय लिया। मैं रोज़ उसके घर जाकर उसे पढ़ाता था और जरूरी नोट्स समझाता था। हम दोनों ने मिलकर मेहनत की और धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास वापस आया। परीक्षा के समय वह पहले से बेहतर महसूस कर रहा था और उसने अच्छे अंक भी प्राप्त किए। इस अनुभव से मुझे यह सीख मिली कि सच्चा मित्र वही होता है, जो मुश्किल समय में साथ खड़ा रहे और एक-दूसरे का सहारा बने।

----- -----

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in